एक नजर में

विष्णु मराठे का निधन

बिस्टान, निप्र। नगर निवासी भाकिसं के जिला सदस्य भगवानपूरा ब्लॉक प्रभारी संजय मराठे व गोपाल मराठे के पिता विष्णु मराठे 80 साल निवासी राधाकृष्ण मन्दिर गली का निधन दिनांक 15 फरवरी रविवार देर शाम 8 बजे हो गया। जिनकी अंतिम यात्रा 16 फरवरी सोमवार को दोपहर में इंद्रावती घाट मुक्तिधाम पर किया गया। अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधियों किसानों व्यापारियों समाजजनो नगरवासियों ने शामिल हो कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक बिरला ने भगवान शिव का पूजनअर्चना कर सुख,शांति और समृद्धि की कामना की

बड़वाह, निप्र। महाशिवरात्रि पर्व पर गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर विधायक सचिन बिरला ने भगवान शिव का पूजन-अर्चन और अभिषेक कर राष्ट्र की सुख,शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विधायक ने मंदिर में निर्माण कार्यों हेतु विधायक निधि से 1 लाख रु प्रदान करने की घोषणा की। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित थे।

रजत अभा अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद के राष्ट्रीय युवा इकाई उपाध्यक्ष नियुक्त

खरगोन, निप्र। रघुवंशी समाज के राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय महापरिषद में संगठन विस्तार के तहत युवा विंग में प्रमुख नियुक्तियां की हैं। नवीन नियुक्तियों में शहर के सक्रिय समाजसेवी एवं युवा नेता रजत डंडीर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनके साथ ही मनीष रघुवंशी को राष्ट्रीय महामंत्री, शांतनू रघुवंशी और सुमित डंडीर को राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रीय संयोजक वीरेंद्र रघुवंशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाशंकर सिंह, राष्ट्रीय महासचिव शक्ति सिंह रघुवंशी एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद सिंह रघुवंशी की सहमति से राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष रणजीत सिंह रघुवंशी ने की है। अपनी नियुक्ति पर रजत ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों का आभार जताते हुए बताया कि अखिल भारतीय अखंड क्षत्रिय रघुवंशी परिषद समाज का सबसे बड़ा संगठन है। इस संगठन में मुझे युवा विंग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे महत्वपुर्ण दायित्व दिया है। मेरा प्रयास रहेगा कि युवाओं के साथ वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाज के सहयोग एवं विश्वास के साथ समाज की एकता एवं मजबूती के लिए कार्य करूं। शहर के युवाओं को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में महत्वपूर्ण पद मिलने पर रघुवंशी समाज राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व विधायक परसराम डंडीर, समाज अध्यक्ष दीपक डंडीर, समाज के वरिष्ठ विष्णु रघुवंशी, समाजसेवी त्रिलोक डंडीर, पत्रकार मनोज रघुवंशी, अजय रघुवंशी भाऊ, रघुवंशी समाज पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल रघुवंशी आदि ने खुशी जताई है।

कलेक्टर ने की समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

खरगोन, निप्र। कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने सर्वप्रथम सीएम हेल्पलाइन की विभागवार समीक्षा की एवं नगर पालिका खरगोन को 50 से अधिक दिवस से लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। सी ग्रेड से नीचे वाले नगरीय निकायों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के दिए गए और समस्त जनपद सीईओ को लंबित शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही महेश्वर, बडवाह एवं सनावद तहसीलदारों को ग्रेडिंग सुधारने और समस्त एसडीएम को सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का अवलोकन करने व उन्हें संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराने कहा गया। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की और सभी एसडीएम को एसडीएम आईडी पर लंबित फार्मर आईडी का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। खाद वितरण के लिए किसान की फार्मर आईडी अनिवार्य है। पैक्स समितियों में सचिव, पटवारी एवं पैक्स सदस्यों की टीम गठित कर फार्मर आईडी बनाने हेतु शिविर आयोजित किये जाए। ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा फार्मर आईडी बनवाने के लिए किसानों को जागरूक करने तथा शिविर स्थलों पर पटवारी का नाम व संपर्क नंबर अंकित करने को कहा। बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे किसान जिनका मोबाइल नबंर आधार से लिंक नहीं है उनके मोबाइल नंबर आधार से लिंक करने की कार्यवाही सुचिश्चित की जाए। एसडीएम फार्मर आइडी प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करें। कलेक्टर ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारियों को निर्देशित किया कि फसल गिरदावरी का कार्य पूर्ण करें और गिरदावरी कार्य में उद्यानिकी फसलों को भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। कलेक्टर सुश्री मित्तल ने लंबित वन दावों की समीक्षा की और झिरन्या, बड़वाह एवं भगवानपुरा जनपद पंचायतों के वन अधिकार पट्टों का समय-सीमा में निराकरण करने के लिए वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के अंतर्गत खरगोन विधानसभा के टेमला, महेश्वर के चोली, बड़वाह के बेड़िया, भगवानपुरा के सेगांव, भीकनगांव के सेल्दा एवं कसरावद के बोरावां ग्रामों का चयन किया गया है, जहां आगामी 5 वर्षों के लिए समेकित कार्ययोजना एवं विजन डॉक्यूमेंट तैयार करना है। कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को उपरोक्त योजनातंर्गत विभागीय योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन एवं निर्माण कार्यों की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु कक्षा 9वीं से 12वीं तक के ड्रॉपआउट बच्चों के शत प्रतिशत इनरोलमेंट हेतु कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मिशन अंकुर के तहत शासकीय शालाओं में नियमित मेंटर विजिट कर प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा एसडीएम एवं तहसीलदारों को एक माह से लंबित नामांतरण एवं बटवारे प्रकरणों की समीक्षा कर निराकरण करने तथा ऐसे प्रकरणों में तहसीलदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्री प्रताप कुमार अगास्या, श्री अनिल जैन, अतिरिक्त जिला पंचायत सीईओ श्री राजेश शाक्य, समस्त एसडीएम सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जबकि अन्य अधिकरी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े थे।

महाशिवरात्रि पर्व पर पर्यटन नगरी महेश्वर में लगा शिव भक्तों का तांता

लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे पर्यटन नगरी महेश्वर

नवभारत न्यूज

महेश्वर, निप्र। रविवार को नगर में महाशिवरात्रि का पर्व बड़े ही आस्था और श्रद्धा से मनाया गया। पर्व के चलते सुबह 5 से सुबह से ही श्रद्धालु मां नर्मदा के तट पर पहुंचे और ब्रह्मा स्नान किया इसी के साथ पूरे दिन शिव भक्तों का स्नान चलता रहा। नर्मदा में स्नान के बाद भक्तों ने शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना की। महिलाओं ने शिवालयों में दीप और बाती प्रज्वलित कर भगवान भोलेनाथ से मनोकामनाएं मांगी। मंदिरों में 'हर हर महादेव' के जयकारे गूंज उठे। भक्तों ने भगवान शिव को बेलपत्र, फूल, दूध और दही से अभिषेक किया। नगर के काशी विश्वनाथ, राजराजेश्वर, कालेश्वर, वृद्ध कालेश्वर, ज्वालेश्वर प्राचीन शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी गई। रास्ते भर श्रद्धालुओं के लिए नगर के अनेक शिव भक्तों द्वारा प्रसादी के रूप में साबूदाने की खिचड़ी,

पानी, चाय,फरियाली का वितरण किया गया। इस दिन भजन कीर्तन के साथ ओम नमः शिवाय, पंचाक मंत्र, रुद्राभिषेक, शिव महिमा स्त्रोत, जलधारा दुग्ध धारा से शिव को प्रसन्न किया जाता है। रात्रि जागरण के साथ भजन कीर्तन किए जाते हैं शिव स्वयं महेश्वर के रूप में माने गए हैं श्रद्धा और आस्था के साथ एक बिल पत्र के अर्पण से शिव को प्रसन्न किया जा सकता है। नगर में बने शिवालयों में भगवान शिव का काजू भांग और मिश्री के साथ श्रृंगार किया जाता है। पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने घाटों पर सुरक्षा कर्मियों को लगाकर सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता किया। समय-समय पर एसडीओपी मंडलेश्वर श्वेता शुक्ला, एसडीएम पूर्वा मंडलोई, तहसीलदार कैलाश सस्तिया, थाना प्रभारी जगदीश गोयल द्वारा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। शाम तक करीब डेढ़ लाख से अधिक लोगों ने मां नर्मदा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजन अर्चन किया। शिवालयों को फूलों से सजाया गया एवं भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। पूरे दिन रास्ते पर भक्तों की जबरदस्त भीड़ देखी गई। प्राचीन स्वयंभू श्री कालेश्वर महादेव मंदिर मे महाशिवरात्रि महोत्सव उपलक्ष्य में श्री कालेश्वर सेवा समर्पण समिति महेश्वर एवं भक्तजन के सहयोग से खिचड़ी प्रसादी कंद हलवा प्रसादी चाय प्रसादी पूरे दिन हजारों भक्तों को बांटी गई। सनातन धर्म जागरूकता को लेकर संत श्री विजय राम दास जी महाराज गुलावड़ आश्रम के सान्निध्य मे संकीर्तन सत्संग किया एवं श्री राम जय राम जय जय राम के नाम जप के लिए भक्तों श्री समिति द्वारा हजारे की संख्या मे नाम जप काउंटर दिए गए। निःशुल्क महाशिवरात्रि के पावन पर्व श्री कालेश्वर प्रभु का विशेष श्रृंगार छप्पन भोग महाआरती काकड़ आरती मां नर्मदा जी आरती की गई जिसमें हजारों की संख्या में भक्त शामिल हुए।.

ज्योति नगर में निकली शिव बारात गुंजा हर-हर महादेव का जयघोष

खरगोन, निप्र। शहर के ज्योति नगर में विराजित भूतभावन भगवान ज्योतेश्वर महादेव के शुभ विवाह (महाशिवरात्रि) को भव्य स्वरुप में मनाया गया। यहां ज्योतेश्वर महादेव को दूल्हा स्वरुप में सजाकर भव्य शिव बारात निकाली गई। देर शाम निकली बारात भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आई। ढोल.-ताशे, मंजिरा, डमरू के बीच हर .हर महादेव, भोले शंभू भोलेनाथ के गगनभेदी जयकारों से माहौल धर्ममय बना रहा। आयोजन समिति के इंजीनियर नितिन मालवीय ने बताया महाशिवरात्रि उत्सवी माहौल में मनाई गई। यहां विराजित भोलेनाथ को हल्दी-मेहंदी रस्म निभाने के बाद दूल्हा स्वरुप में सजाया गया। रात 9 बजे शिव बारात निकाली गई, इसमें भोलेनाथ के स्वरुप में सजे कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे। शिव बारात में गौर बिहाने चले महादेव, कसो छै दुल्लव न कसी छै बारात जैस भजनों पर भक्त झूमते हुए चल रहे थे। प्रचार प्रमुख दिलीप सोनी ने बताया बाबा की

बारात मंदिर परिसर में निकाली गई। इसके बाद बाबा की प्रिय प्रसादी ठंडाई के साथ ही साबुदाना खिचडी, शकरकंद का हलवा सहित मिठाई एवं फलों की महाप्रसादी भक्तों में वितरित की गई। रात्रि जागरण के चलते भजन-कीर्तन का दौर देर रात तक चलता रहा। जिसके चलते मंदिर परिसर में भक्ति की बयार बही।

पार्थिव शिवलिंग बनाकर 12 घंटे किया कत्थक नृत्य, घुंघरु नाद से की शिव आराधना

खरगोन, निप्र। महाशिवरात्रि पर भूत भावन भगवान भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए भक्तों ने अलग- अलग तरीके से आराधना की। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बाबा महांकाल के रुप में महादेव को सजाया गया। शहर के जवाहर मार्ग स्थित कॉम्पलेक्स में संचालित हो रही कत्थक नृत्य संस्थान के नृत्य कलाकारों ने 12 घंटे अनवरत कत्थक नृत्य की प्रस्तुति से भगवान शिव की आराधना की। कथक नृत्य संस्थान संचालिका गौरी देशमुख ने बताया संस्था की नृत्यांगनाओं ने मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर उनका श्रृंगार किया। पूजन- अर्चन के बाद 12 घंटे निरंतर घुंघरू नाद से आराधना का संकल्प लेकर नृत्य प्रस्तुति की शुरुआत की। घुंघरुओं की मधुर ध्वनि केवल एक नाद ही नहीं

है, बल्कि एक साधना है। कत्थक नृत्य शिव तांडव के समान है। कथक नृत्य भारतीय शास्त्रीय परंपरा की अमूल्य धरोहर है, भाव, लय और ताल का अद्भुत संगम है। जब हमारी नन्हीं बालिकाएं अपने पैरों से ताल देती हैं, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो स्वयं नटराज शिव की छवि साकार हो उठी हो। कत्थक नृत्य संस्थान की कॉर्डिनेटर ममता हिरवे ने बताय बालिकाओं की लगातार दी गई प्रस्तुतियों को पालकों के साथ ही शहर के प्रबुद्धजनों ने भी सराहा। संचालिका गुरु गौरी देशमुख ने इन बालिकाओं को न केवल शास्त्रीय नृत्य की शिक्षा दी है, बल्कि बालिकाओं को भारतीय लोकसंस्कृति और संस्कारों से भी जोड़ा है। इन प्रतिभाशाली बालिकाओं की लगन, समर्पण और उत्साह सराहनीय है।

23 वर्षों की परंपरा बनी आस्था की मिसाल

कसरावद, निप्र। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पुलिस थाना परिसर स्थित महा मृत्युंजय मंदिर में श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। सुबह 11:00 बजे भगवान को साबूदाने की खिचड़ी का भोग अर्पित कर प्रसादी वितरण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एडिशनल एसपी शकुंतला रूहल, थाना प्रभारी राजेंद्र बर्मन एवं आयोजनकर्ता नवीन बारचे द्वारा विजय स्तंभ चौराहे पर बोल बम नर्मदे हर के जयघोष के साथ की गई। खिचड़ी प्रसादी वितरण का क्रम दोपहर 3:00 बजे तक निरंतर चलता रहा। आयोजक नवीन बारचे ने बताया कि इस सेवा कार्य की शुरुआत वर्ष 2002 में मात्र 10 किलो साबूदाने से हुई थी। श्रद्धालुओं

के बढ़ते स्नेह और सहयोग से यह आयोजन निरंतर विस्तृत होता गया और इस वर्ष 17 क्विंटल साबूदाने की खिचड़ी तैयार कर प्रसादी के रूप में वितरित की गई। यह आयोजन का 23वां सफल वर्ष रहा। कार्यक्रम पूर्णत तह सहयोग से संचालित किया जाता है दिनेश पाटीदार द्वारा बर्तन एवं टेंट की संपूर्ण व्यवस्था की गई। नवीन बारचे ने बताया कि रात्रि से ही मित्र मंडली, वरिष्ठजन एवं सहयोगियों का भरपूर साथ मिलता है, जिससे यह सेवा कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ।

जायसवाल बने पत्रकार कल्याण परिषद के जिलाध्यक्ष

खरगोन, निप्र। पत्रकारों के सक्रिय संगठन पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी की सहमति से प्रदेश सहित जिले में संगठन को विस्तार देते हुए नियुक्तियां की गई है। इन नियुक्तियों में शहर के सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार राकेश जायसवाल को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सोमवार को परिषद के प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय शर्मा ने प्रदेश संगठन द्वारा लिए गए निर्णय की घोषणा करते हुए जायसवाल को पुराने जनसंपर्क कार्यालय में नियुक्ति पत्र सौंपा। जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर पत्रकार साथियों ने श्री जायसवाल को शुभकामनाएं देते हुए स्वागत किया।

राष्ट्रीय पुस्तक मेला का समापन

इन्दौर. गांधी हॉल में समय इंडिया की ओर से जारी 10 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला का विधिवत समापन हो गया. पुस्तक मेला का अगला पड़ाव होगा गुलाबी नगरी जयपुर. मेले के अन्तिम दिन पुस्तक प्रेमियों ने देर रात तक किताबों की खूब खरीददारी की. पुस्तक मेले के दौरान किताबों के बीच बच्चों में रचनात्मक प्रतिभा के विकास के लिए विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला चलाया गया. इसी कड़ी में प्रतिदिन बच्चों पर केन्द्रित कार्यक्रम जिनमें लोकगीत, देशभक्ति गीत, गायन, चित्रकला, कविता सुनाओ कहानी लेखन, नृत्य प्रतियोगिता, एकल नाट्य और बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताएं भी सम्पन्न हुई. इन सभी प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया. मेला संयोजक एवं समय इंडिया के प्रबंध न्यासी, वरिष्ठ लेखक-पत्रकार चन्द्र भूषण ने बताया कि इन्दौर के इस गांधी मैदान कैम्पस में किताबों का मेला लगना इस बात का सबूत है कि पुस्तक प्रेमियों के दिल में किताबों के लिए जगह है.

शिवपुरी में वकील की हत्या पर जताया आक्रोश, सौंपा ज्ञापन

खरगोन, निप्र। न्यायालयीन कार्य के दौरान कार्यस्थल पर होने वाली घटनाओं से बचाव के लिए एक बार फिर अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग ने जोर पकड़ा है। सोमवार को अभिभाषक संघ के आह्वान पर अभिभाषकों ने कार्य से विरत रहकर हाल ही में प्रदेश के शिवपुरी में अधिवक्ता संजय सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या का विरोध दर्ज कराते हुए अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू करने की मांग की। दोपहर में एकजुट होकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे अभिभाषकों नने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ अध्यक्ष पवन बिल्लौरे ने बताया कि शिवपुरी में अधिवक्ता संजय सक्सेना की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या के विरोध में सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से

विरत रहकर प्रतिवाद दिवस मना रहे है। अभिभाषकों के साथ इस तरह की घटना कोई पहली नही है, आए दिन मारपीट, हत्या जैसे मामले सामने आते रहे है। ऐसे जघन्य अपराधों के चलते अभिभाषकों में असुरक्षा की भावना व्याप्त है। ऐसी घटनाओं पर रोक के लिए लंबे समय से एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग को लेकर संघर्ष किया जा रहा है। संघ के युवराज गुजराथी, रविंद्र यादव, जया पाराशर, अरुण पाटीदार, मोहन भूरिया आदि पदाधिकारियों का कहना है कि वकीलों की सुरक्षा के लिए एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग वर्षो से लंबित है। पूर्व में भोपाल में महापंचायत के दौरान आश्वासन भी मिला, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया।

एक नजर में — प्लॉट लेने वाले आवंटी उसे बतौर संपत्ति बचाकर रखे हुए है

कागजों में चल रही इंडस्ट्री, मौके पर लटक रहे ताले..

नवभारत न्यूज

बड़वाह, निप्र। शहर मे बहुत सी औद्योगिक इकाई महज कागजों मे चल रही है। मौके पर संचालन के लिए हुआ निर्माण खंडहर मे बदल गया है या फिर ताला लटक रहा है। बतौर कई प्लाटों पर झाड़िया उग रही है। जहां कभी उद्योगों का निर्माण तक प्रारंभ नही हुआ है। प्लॉट लेने वाले आवंटी उसे बतौर संपत्ति बचाकर रखे हुए है। इससे शहर के औद्योगिक विकास का उद्देश्य पूरा नही हो पा रहा है। एक ओर सरकार रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। वही एक ओर बड़वाह शहर मे जिला प्रशासन और उद्योग विभाग, उद्योग लगाने व चालू करवाने मे रूचि नही ले रहा है। सेक्टर नंबर 1 से 5 तक मे कई औद्योगिक इकाई धुल खा रही है। और मौके पर ताले लटक रहे है।

बड़वाह में 1978 से स्थापना, 48 साल बाद भी उद्योग जस के तसः- शहर मे काटकूट फाटा इंडस्ट्रियल एरिया की स्थापना 1978 मे हुई थी। औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के समय आस-पास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के लोगों मे उम्मीद जगी थी कि उद्योग स्थापित होने से उन्हे रोजगार मिलेगा। लेकिन उद्योग विभाग से प्राप्त वर्तमान औद्योगिक इकाईयों की संख्या लगभग 102 के करीब है। जिनको 2000 से लेकर 1 लाख वर्गमीटर की भूमि आवंटित की गई, लेकिन उसमे से अधिकांश से ज्यादा बंद पड़ी हुई है। जिसके कारण बड़वाह औद्योगिक क्षेत्र मे पिछड़ा हुआ है। यहां का युवा रोजगार के लिए दूसरे शहरों की ओर पयालन करने को मजबूर हो रहा है।

उद्योगपतियों ने किराये पर दे रखीः- शहर मे कई औद्योगिक इकाई किराये पर चल रही है। उद्योगपतियों ने उद्योग धंधा खोलने के नाम पर जमीन तो ले ली, लेकिन उस पर इंडस्ट्री चलाने की बजाय उसे किराए पर उठा दिया। यहां इंडस्ट्री के नाम ली गई जमीन मे किसी ने गोदाम बनाया तो किसी ने उसमें आशियाना ही बना लिया। इतना ही नही जमीन पर इंडस्ट्रीज खोलने के लिए कुछ

लोगो ने पैसा ब्याज पर लेने के बाद जब पैसा वापस नही किया। तो पैसा देने वाले ने उन प्लॉट पर कब्जा कर लिया। हकीकत यह है कि इंडस्ट्रीयल एरिया मे 60 फीसदी इंडस्ट्रीज बंद है, बल्कि उनका उपयोग दूसरे कामों के लिए हो रहा है। गौरतलब है कि बड़वाह मे रोजगार पर एक भी बड़ा उद्योग धंधा या कारखाना नही है, जिसके चलते बेरोजगारी से लोग पहले ही परेशान है। सरकार ने इंडस्ट्रियल एरिया मे लोगों को जमीन इसलिए बहुत कम रेट मे लीज पर दी है, ताकि वे वहां पर अपनी इंडस्ट्री चलाएं जिसमें स्थानीय लोगो को रोजगार मिल सके। शुरूआती दौर मे लोगो ने उद्योग धंधा खोलने के नाम पर जमीन तो कौड़ियों के भाव ले ली, लेकिन कुछ समय तक इंडस्ट्री चलाने के बाद उसे बंद करके उक्त जगह पर या तो गोदाम बना लिया या फिर उसे किराए पर उठा दिया। या फिर कई धुल खाने के साथ ताले लटक रहे है। यानि कागजों मे इंडस्ट्री के नाम पर जमीन किसी और के नाम है और धरातल पर उसका उपयोग कोई ओर दूसरे काम मे कर रहा है।

यह है प्रकिया जाने:- इंडस्ट्रियल एरिया मे उद्योग के नाम पर जमीन लेने के बाद उसमें वो फैक्ट्री चल रही है या नही जिसके लिए वो ली गई है, यह देखने की जिम्मेदारी उद्योग विभाग की है। इसका समय-समय पर भौतिक सत्यापन होना चाहिए। यदि लीज पर दी गई जमीन मे कोई इंडस्ट्रीज संचालित नही मिलती तो फिर उक्त जमीन किसी जरूरतमंद व्यवसायी को ट्रांसफर की जानी चाहिए। लेकिन बड़वाह मे उद्योग विभाग ने बरसों से मॉनीटरिंग नही की। जिसके चलते इंडस्ट्री की जगह गोदाम बन गए तथा लोगो ने वो जमीन किराए पर ही उठा दी। यहां पर इंडस्ट्री के नाम पर उद्योग विभाग मे दर्ज जमीन पर बने गोदाम मे किसी भंगार भरे है तो किसी ने मसाले मिर्ची और अनाज व कई आशियाना मे उपयोग कर रहे है।

औद्योगिक एरिया की मौके आई सामने हकीकतः- जब औद्योगिक क्षेत्र का इंदौर मेट्रो टीम के द्वारा भ्रमण किया गया तो कई फैक्ट्ररियों मे ताले लगे है तो कई फैक्ट्ररियां किराये पर चल रही है। कई खाली प्लॉटो पर झाड़ियां उग रही है। जिसमे मौके पर सेक्टर-5 मे,11 का भाग यहां पर एडवांसनाथ एग्रीकेमीकल्स प्रा. लि. का बोर्ड ही लगा है। यहां पर शुरू से उद्योग लगा ही नही है। जब जानकारी ली गई तो पता चला है। कि उद्योग के नाम से बैंको से लोन लेकर भाग गए है। यहां पर ना ही बैंक नोटिस बोर्ड लगा है। सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है जिसमे अधिकतर बाहर के उद्योगपतियों ने उद्योग विभाग से जमीन लेकर एक या दो साल उद्योग चालू किए। फिर बंद कर लोन भी हड़प कर जमीन का सौदा लाखों मे कर रफूचक्कर हो गए है। कुछ फैक्ट्ररियों की लीज ट्रांसफर करवाने तक बात सामने आई। उद्योग विभाग यह जांच भी नही करता है कि जमीन किस उद्योग के लिए दी गई है और वहां क्या चल रहा है। अनेक लोगो ने खाली जमीनों पर कब्जे कर रखे है। अनेक उद्यमी उद्योग तो चला रहे है किन्तु बाहर न नाम है न सेक्टर व पर्यावरण को बचाने के लिए ना ही कोई नियम व गार्डन है। अभी यह जांच का विषय है इंदौर मेट्रो टीम इसकी जांच पड़ताल कर रही है, जल्द अगले अंक में खुलासा करेगी।